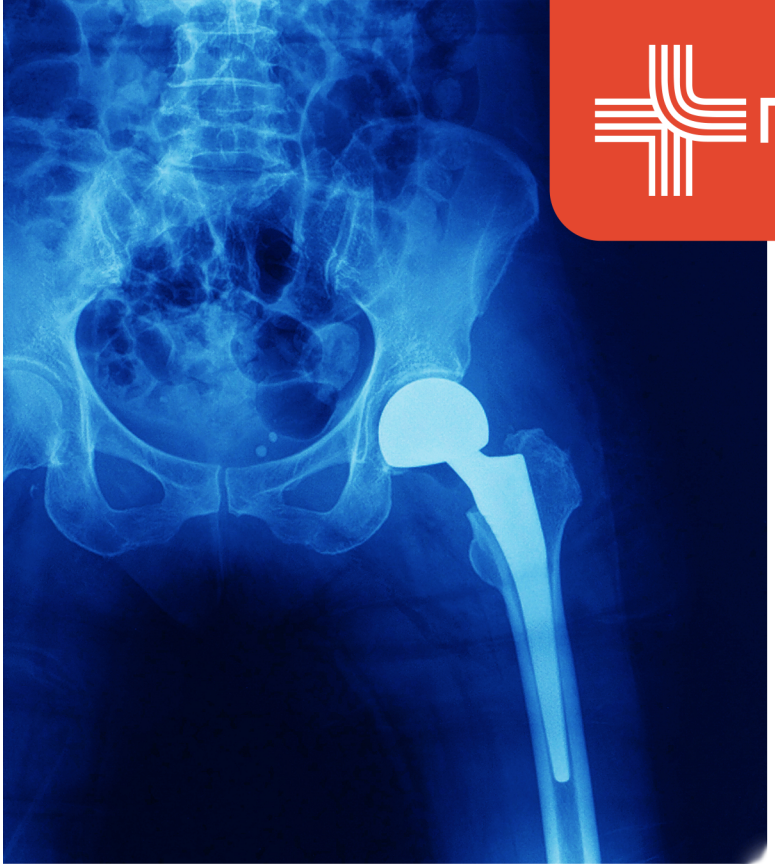

medanta

हेमीआर्थ्रोप्लास्टी

INSTITUTE OF MUSCULOSKELETAL
DISORDERS AND ORTHOPAEDICS

हेमीआर्थ्रोप्लास्टी क्या है?

हेमीआर्थ्रोप्लास्टी एक प्रक्रिया है जिसमें कूल्हे के आधे हिस्से को बदल दिया जाता है। हेमी शब्द का मतलब "आधा" होता है और आर्थ्रोप्लास्टी शब्द "जोड़ की बदली" के लिए इस्तेमाल होता है। इस प्रक्रिया में कूल्हे की हड्डी के फेमोरल सिरे को कृत्रिम इंप्लांट से बदल दिया जाता है।

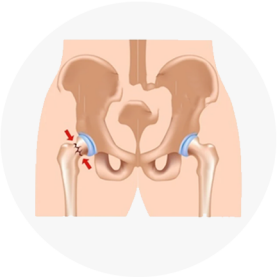

हेमीआर्थ्रोप्लास्टी की आवश्यकता कब पड़ सकती है?

हेमीआर्थ्रोप्लास्टी की आवश्यकता हिप फ्रैक्चर (खासकर वृद्धावस्था में) की स्थिति में होती है। इसमें कूल्हे के प्रभावित हिस्से को बदला जाता है।

हेमीआर्थ्रोप्लास्टी के पहले क्या सावधानियां बरतनी चाहिए?

सर्जरी से पहले मरीज़ को निम्नलिखित सावधानियां बरतनी चाहिए :

- मरीज़ को चल रही सभी दवाओं के बारे में डॉक्टर को बताना चाहिए। कुछ दवाओं को सर्जरी से पहले रोकने की आवश्यकता हो सकती है।
- स्वस्थ आहार खाएं और नियमित रूप से व्यायाम करें।
- डॉक्टर मरीज़ को कुछ टेस्ट लिख सकते हैं, जिसमें रक्त परीक्षण, एक्स-रे, या इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम (ई.सी.जी) शामिल हो सकते हैं।
- मरीज़ को सर्जरी से आठ घंटे पहले कुछ न खाने और दो घंटे पहले पानी न पीने की सलाह दी जा सकती है।

हेमीआर्थ्रोप्लास्टी के दौरान क्या होता है?

हेमीआर्थ्रोप्लास्टी प्रक्रिया आमतौर पर एक से दो घंटे तक चलती है। हेमीआर्थ्रोप्लास्टी के दौरान, मरीज़ को निम्नलिखित चरणों से गुजरना पड़ सकता है:

- सबसे पहले मरीज़ को एनेस्थीसिया दिया जायेगा, जिससे वे सर्जरी के दौरान दर्द रहित रहें।
- मरीज़ के कूल्हे पर एक चीरा लगाया जायेगा। यह चीरा आमतौर पर चार से छह इंच लंबा होता है।
- इसके बाद डॉक्टर मरीज़ के क्षतिग्रस्त हड्डी को हटाकर कृत्रिम इंप्लांट लगाते हैं। यह इंप्लांट धातु, प्लास्टिक या सिरेमिक से बना हो सकता है।
- अंततः डॉक्टर चीरे को टांके या स्टेपल से बंद कर देते हैं।

हेमीआर्थ्रोप्लास्टी के बाद क्या होता है?

सर्जरी के बाद मरीज़ को रिकवरी रूम में स्थानांतरित किया जाएगा और एक मेडिकल टीम द्वारा उनके रक्तचाप, तापमान, पल्स, और अन्य शारीरिक माणकों पर नज़र रखी जाएगी।

- मरीज़ को दर्द और सूजन का अनुभव हो सकता है जिसके लिए दर्द-निरोधक दवाएँ और सूजन को कम करने के लिए आइस पैक लगाने की सलाह दी जाती है।
- कुछ दिनों बाद मरीज़ फिजियोथेरेपी शुरू कर सकते हैं, परंतु कूल्हे के जोड़ पर अत्यधिक भार डालने से बचें।
- मरीज़ थोड़ा चल सकते हैं पर ज़्यादा चलने से बचें।
- डॉक्टर की सलाह के बाद मरीज़ दूसरे-तीसरे हफ़्ते थोड़ी गतिविधि बढ़ा सकते हैं और धीरे-धीरे दैनिक गतिविधियों पर लौटना शुरू कर सकते हैं।
- 6-12 सप्ताह बाद मरीज़ दैनिक क्रियाएँ सामान्य रूप से कर सकते हैं।

हेमीआर्थ्रोप्लास्टी के क्या जोखिम हो सकते हैं?

हेमीआर्थ्रोप्लास्टी के कुछ संभावित जोखिम निम्नलिखित हैं:

- संक्रमण
- अत्यधिक रक्तस्राव
- दर्द होना
- सूजन आना
- रक्त के थक्के बनना
- इंप्लांट का ढीला होना
- कई बार तंत्रिका में क्षति भी हो सकती है जिससे झुनझुनी या मांसपेशियों में कमजोरी हो सकती है

किन परिस्थितियों में तुरंत अपने डॉक्टर से संपर्क करें?

यदि मरीज़ को निम्नलिखित में से कोई भी लक्षण अनुभव हो, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें:

- संक्रमण के लक्षण जैसे कि बुखार, ठंड लगना, सूजन, या चीरे से रिसाव
- भारी रक्तस्राव
- गंभीर दर्द जो दवा से ठीक नहीं हो रहा
- रक्त का थक्का, जैसे कि पैर में दर्द, सूजन, लालिमा, या गर्मी
- तंत्रिका में चोट के लक्षण में जैसे कि झुनझुनी या मांसपेशियों में कमजोरी

24/7 सेवा

मेदांता **24X7**
आपातकालीन हेल्पलाइन

1068

अपॉइंटमेंट बुक करने
के लिए स्कैन करें

medanta हेल्पलाइन
890-439-5588
Visit us at : www.medanta.org

मेदांता नेटवर्क: गुरुग्राम । दिल्ली । लखनऊ । पटना । इंदौर । रांची । नोएडा *
शीघ्र प्रारम्भ